स्लीमनाबाद टनल से पांच जिलों में बढ़ेगी सिंचाई...

किसानों के लिए बनेगी वरदानःमुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 12 किलोमीटर लंबी स्लीमनाबाद टनल परियोजना कटनी, रीवा, सतना, मैहर और पन्ना जिलों के लिए अमृतधारा साबित होगी। लगभग 1600 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना से करीब ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, पेयजल उपलब्धता में सुधार होगा और क्षेत्र के किसानों व व्यापारियों को बड़ा लाभ मिलेगा। टनल का निरीक्षण करने के बाद स्लीमनाबाद में आयोजित प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने लगभग 275 करोड़ रुपये का सहयोग दिया, जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर 120 फीट गहराई तक निर्मित यह टनल इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है और भविष्य में केस स्टडी के रूप में देखी जाएगी। उनका दावा है कि यह संरचना भीषण भूकंप जैसी परिस्थितियों में भी लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से नर्मदा का जल गंगा बेसिन तक पहुंचेगा, जिससे विंध्य क्षेत्र में सिंचाई और हरियाली का विस्तार होगा। आगामी तीन माह में रबी सीजन के लिए एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में सिंचित क्षेत्र साढ़े सात लाख हेक्टेयर से बढ़कर 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंच चुका है।

मुख्यमंत्री ने किसानों से अपनी जमीन नहीं बेचने की अपील करते हुए कहा कि बघेलखंड और बुंदेलखंड क्षेत्र भविष्य में कृषि उत्पादन के मामले में पंजाब और हरियाणा की बराबरी कर सकता है। उन्होंने कहा कि टनल राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे लाइन और आबादी वाले क्षेत्रों के नीचे से सुरक्षित तरीके से बनाई गई है तथा निर्माण के दौरान किसी प्रकार की संरचनात्मक या पर्यावरणीय क्षति नहीं हुई।

जीपीएफ का वार्षिक लेखा विवरण अब ऑनलाइन उपलब्ध

नप्र, भोपालः मप्र के अधिकारियों और कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि खातों का वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक लेखा विवरण महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), ग्वालियर ने ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया है। अब अभिदाता घर बैठे वेबसाइट पर अपने जीपीएफ खाते का विवरण देख और डाउनलोड कर सकेंगे। लेखा विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिसका निराकरण सामान्यतः एक माह के भीतर किया जाएगा। इसके अलावा जीपीएफ से संबंधित सामान्य प्रश्न, आवेदन प्रारूप और अन्य आवश्यक जानकारी भी वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली पर जोर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तकनीकी शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुखी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली विकसित करना है।

बैठक में मंत्री ने तकनीकी संस्थानों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने, स्थानीय उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप पॉलीटेक्निक और इंजीनियरिंग संस्थानों के पाठ्यक्रमों का युक्तियुक्तकरण करने तथा नए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि युवाओं को कौशलयुक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।

मंत्री ने विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन तथा प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए आधुनिक डिजिटल प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही तकनीकी शिक्षा संस्थानों में हिंदी भाषा में पाठ्यक्रम, अध्ययन सामग्री और प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने पर भी बल दिया।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े में निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के तहत प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में शुक्रवार को 'मेरे जीवन में गुरु' विषय पर निबंध तथा गुरु के महत्व पर भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें प्रदेश के 2,083 विद्यालयों के 1,24,549 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन निर्माण में गुरु की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

भोपाल केंद्रीय जेल में संगीतमय संध्या

नप्र, भोपालः जेल विभाग की ओर से बंदियों के सुधार, पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से भोपाल केंद्रीय जेल में संगीतमय सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। प्रतिष्ठित रागरंग म्यूजिकल ग्रुप की प्रस्तुति ने जेल परिसर को मधुर सुरों से गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों में आत्मविश्वास जगाना, सकारात्मक सोच विकसित करना और संगीत के माध्यम से मानसिक तनाव कम करना था।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बंदियों ने उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। सदाबहार फिल्मी गीतों, देशभक्ति गीतों और प्रेरणादायी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। कुछ समय के लिए जेल का वातावरण तनावमुक्त और उत्साहपूर्ण नजर आया तथा बंदियों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मीयता दिखाई दी। रागरंग म्यूजिकल ग्रुप के आयोजक सुमीत शर्मा के नेतृत्व में मोहन बेलानी, तनु सिंह, रीना मेहता, मिलिंद, योगेश भालानी, सोनल शर्मा और आबिद कलाकारों ने प्रस्तुतियों से यादगार बनाया।

मप्र में एनएएसी की तर्ज पर एसएएसी की शुरुआत, 341 संस्थानों का होगा मूल्यांकन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रकोष्ठ (एसएएसी) का गठन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर शुरू की गई यह व्यवस्था राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) की तर्ज पर विकसित की गई है, ताकि उच्च शिक्षा संस्थानों को राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार किया जा सके।

प्रथम चरण में प्रदेश के 341 शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों का राज्य स्तरीय मूल्यांकन किया जाएगा। इसके लिए 21, 22 और 23 जुलाई को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहले दो दिनों में 113-113 संस्थानों तथा तीसरे दिन 115 संस्थानों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यशालाओं में प्रतिभागियों को मूल्यांकन मानदंड, गुणवत्ता संकेतक, दस्तावेजीकरण, संस्थागत तैयारियों और प्रत्यायन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। विभाग का उद्देश्य संस्थानों में गुणवत्ता संस्कृति विकसित करना, मूल्यांकन व्यवस्था को मजबूत बनाना और सतत गुणवत्ता सुधार को बढ़ावा देना है।

10 वर्ष बाद जेल विभाग के 40 अधिकारियों को मिली पदोन्नति

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश जेल विभाग में लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को गति देते हुए लगभग 10 वर्ष बाद 40 अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है। शासन के निर्णय के तहत सहायक जेल अधीक्षकों को उप जेल अधीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। जेल मुख्यालय ने पदोन्नत अधिकारियों की नवीन पदों पर पदस्थापना की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

जेल मुख्यालय में आयोजित समारोह में महानिदेशक, जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं डॉ. वरुण कपूर ने पदोन्नत अधिकारियों को नई रैंक प्रदान की। इस दौरान उन्होंने

सुश्री ज्योति तिवारी, हरीश आर्य, दिलीप नायक और राकेश कुमार मिहोरिया की वर्दी पर अशोक चिन्ह लगाकर उन्हें उप जेल अधीक्षक की रैंक सौंपी।

डॉ. कपूर ने पदोन्नत अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि पदोन्नति केवल सम्मान नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का अवसर भी है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ करेंगे तथा जेल एवं सुधारात्मक सेवाओं की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और परिणामोन्मुख बनाने में योगदान देंगे।

सरकारी खर्चों पर सख्ती, विदेश यात्राओं और नए कॉन्ट्रैक्ट पर लगी रोक

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राज्य सरकार ने वित्तीय अनुशासन और मितव्ययिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 और 2027-28 के लिए सख्त कॉस्ट कटिंग नीति लागू कर दी है।

वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार यह व्यवस्था सभी शासकीय विभागों, निगमों, मंडलों, सार्वजनिक उपक्रमों और विश्वविद्यालयों पर लागू होगी। सरकार ने फिजूलखर्ची रोकने के लिए कई प्रकार के खर्चों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है।

नई व्यवस्था के तहत अत्यंत आवश्यक मामलों को छोड़कर राज्य सरकार के खर्च पर होने वाली विदेश यात्राओं पर रोक रहेगी। महंगे सरकारी कैलेंडर, डायरी, वीआईपी उपहार और स्वागत समारोहों पर होने वाले खर्च भी प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। अधिकारियों को सरकारी कार्य के लिए केवल इकोनॉमी क्लास में यात्रा करने की अनुमति होगी।

सरकार ने होटलों और व्यावसायिक केंद्रों में आयोजित होने वाली कार्यशालाओं, बैठकों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर भी रोक लगा दी है। इसके स्थान पर शासकीय भवनों, वर्चुअल बैठकों और वेबिनार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यालयों में गैर-जरूरी साज-सज्जा पर होने वाला खर्च भी सीमित किया जाएगा।

50 वर्षों की शिक्षा साधना का

स्वर्णिम सफर

महेश अग्रवाल बने ब्यावरा की पहचान

नईदुनिया PRESENT Milestone of Rajgarh

महेश अग्रवाल

वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद

ब्यावरा, राजगढ़

"शिक्षा केवल ज्ञान का साध्यम नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन की सबसे मजबूत नींव है!"

इस विचार को जीति किसी ने अपने कर्मों से साकार किया है तो वे हैं ब्यावरा के वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद महेश अग्रवाल। पिछले पांच दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान न केवल हजारों विद्यार्थियों का भविष्य संवार रहा है, बल्कि पूरे क्षेत्र के सामाजिक और शैक्षणिक विकास का आधार भी बन गया है।

करीब 50 वर्षों पूर्व जब शिक्षा के संसाधन सीमित थे और ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर जाना पड़ता था, तब महेश अग्रवाल ने एक सपना देखा—ब्यावरा को शिक्षा का मजबूत केंद्र बनाने का। इसी संकल्प के साथ उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अलख जगाई और ऐसे संस्थान खड़े किए जिसने समय के साथ विश्वास, अनुशासन और उत्कृष्ट परिणामों की पहचान बना ली।

आज उनके संस्थानों से शिक्षा प्राप्त कर चुके हजारों विद्यार्थि देश-विदेश में विभिन क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे ा डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, उद्यमी और समाजसेवी के रूप में वे अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे है। यह उपलब्धि केवल एक संस्था की नहीं, बल्कि उस दूरदर्शी सोच की सफलता है जिसने शिक्षा को सेवा का माध्यम माना।

महेश अग्रवाल का मानना रहा है कि शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यं, अनुशासन, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास भी उतना ही आवश्थक है। यही कारण है कि उनके संस्थानों में शिक्षा के साथ संस्कारों पर भी विशेष बल दिया जाता है।

शिक्षा के अलावा महेश अग्रवाल ने समाज सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। जरूरतमंदों की सहायता, सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी और जनहित के कार्यें में उनकी सहभागिता उन्हें एक संवेदनशील ममाजसेवी के रूप में स्थापित करती है। वे सदैव यह मानते रहे हैं कि समाज से मिला सम्मान तभी सार्थक है जब उसका प्रतिफल समाज को वापस दिया जाए।

उनकी विनम्रता और सरल स्वभाव भी उनकी सबसे बड़ी पहचान है। अनेक उपलब्धियों के बावजूद उन्होंने कभी प्रचार-प्रसार का सहारा नहीं लिया। उनका विश्वास रहा कि व्यक्ति के कार्य स्वयं उसकी पहचान बनाते है। यही कारण है कि वे आज भी समाज में अत्यंत सम्मान और विश्वास के साथ देखे जाते हैं।

बदलते समय के साथ उन्होंने आधुनिक शिक्षा, तकनीकी संसाधनों और नवाचार को भी अपनाया। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था, आधुनिक सुवियार्थे और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उनके संस्थानों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। आज उनका शैक्षणिक अभिचान नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

50 वर्षों की यह यात्रा केवल एक संस्था की सफलता नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की तपस्या का परिणाम है जिसने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा को समर्पित कर दिया। महेश अग्रवाल ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि संकल्प मजबूत हो और उद्देश्थ समाज का उत्थान हो, तो एक व्यक्ति भी पूरे क्षेत्र की दिशा और दशा बदल सकता है।

आज जब उनके शैक्षणिक अभिन के 50 वर्ष पूर्ण हो रहे है, तब यह अवसर केवल सम्मान का नहीं बल्कि उस प्रेरणा को नमन करने का भी है जिसने हजारों परिवारों के सपनों को नई उड़ान दी। महेश अग्रवाल का यह स्वर्णिम सफर आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणासोत रहेगा और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान लंबे समय तक याद किया जाता रहेगा।

एक दूरदर्शी व्यक्तित्व की विशेषताएँ

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में 50 वर्षों का अनमोल योगदान
- हजारों विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता
- शिक्षा के साथ संस्कार और मूल्य आधारित शिक्षण पर विशेष बल
- समाज सेवा और जनहित के कार्यों में सदैव सक्रिय
- विनम्र, कर्मठ और प्रेरणादायी नेतृत्व
- आधुनिक दृष्टिकोण और नवाचार से शिक्षा को नई दिशा

50 YEARS OF EDUCATIONAL ERUCILENCE

"संकल्प मजबूत हो और उद्देश्य समाज का उत्थान हो, तो एक व्यक्ति भी पूरे क्षेत्र की दिशा और दशा बदल सकता है!"

50 वर्षों की यह यात्रा केवल एक संस्था की सफलता नहीं, बल्कि एक समर्पित शिक्षाविद की तपस्या का परिणाम है!

महेश अग्रवाल को हार्दिक सम्मान एवं उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ !

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। * फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com